ISSN 0974-2832 MAY-2012 Vol-IV, Issue-40

AN INTERNATIONAL LEVEL REFERRED REGISTERED RESEARCH JOURNAL

SHODH SAMIKSHA AUR MULYANKAN

शोध समीक्षा और मूल्यांकन

Health, Physical, Maths, Physics, Chemistry, Biology, Information Technology, Engineering, Management, Commerce, Life Sciences, Home Science Economics, Political Science, Public Administration, Education, Music, Law, Human Science, History, Computer, Psychology

AN INTERNATIONAL REFERRED RESEARCH JOURNAL
S.S.M.
A WAY TO SUCCESS.....
R.A.E.
JAIPUR INDIA

Editor
Dr. KRISHAN BIR SINGH

www.ssmrae.com

Scanned by CamScanner

Contents

Mechanical Engineering

Energy Performance Assessment

* Mr. T. S. Chouhan , Dr. A. D. Sharma 12-16

Psychology

A Study of Mental Health in Relation

* Dr. B. J. Soni 3-4

Philosophy

Moral Education With Special

*Dr.Ch.Venkata Sivasa 45-46

Law

Innocent Divorcees A Socio-Legal Study

* Dr. Raj Kumar 31-33

Trafficking -A terror

* MonikaGarg 43-44

Commerce

Rural Employment Generation Programme

* Prof. B. S. Gangaramji. 36-37

English

Concept of Death in the Poetry

* Savita Yadav 47-49

Home Sceience

A Study on Reasons For Female

*Dr. Shashi Manhas **Poonam Dogra 26-28

Education

A Comparative Study of Numerical

* Dr. Kiritkumar B. Vyas 1-2

A Study of Academic Achievement

* Dr. Surinder Singh 5-7

A Comparative Study

* Parulben Fuljibhai Patel 8-9

A Study of Attitudes of the Students

* Patel Yogeshkumar Savjibhai 10-11

A Study of Correlation Between

* Shri. Manjunatha Rathod 17-18

Educational Problems of Students

* Dr. Yatendrakumar S Pal 19-20

Awareness and Use of Facilities

* Dr. Yatendrakumar S Pal 24-25

A Study of The Awareness of Teacher

* Dr. Amrish D Parikh. 29-30

A Study of Effect of Caste on

* Narendrakumar S. Pal 34-35

उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जिले में माध्यमिक

* डॉ. रामबीर शर्मा ** कु. रुचि 68-74

शिक्षणाच्या माध्यमातून मनुष्ययबळ विकास

* प्रा. डॉ. गोरोबा खुरपे 82-83

Social Work

भारतीय शिक्षा में सूचना तकनीकी का महत्व

* डॉ. बिजेन्द्र प्रधान 53-54

Sociology

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मीडिया का युवाओं पर प्रभाव

* Dr.(Mrs.) Vrinda Sengupta 62-64

Scanned by CamScanner

International Indexed & Referred Research Journal, May, 2012, ISSN- 0974-2832, RNI-RAJBIL 2009/29954;VoL.IV *ISSUE-40

शोध पत्र-समाज कार्य

भारतीय शिक्षा में सूचना तकनीकी का महत्व

* डॉ. बिजेन्द्र प्रधान

* सहायक आचार्य, समाज कार्य विभाग , जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं

May, 2012

मानव विकासशील प्राणी है और उसके ज्ञान में निरन्तर परिवर्तन आता है। वह अपने जीवन काल में प्रत्येक क्षेत्र में नवीन और नवीनतम प्रयोग करता रहता है उसी कम में मानव ने शिक्षा के माध्यम को सरल, सहज और सुगम बनाने हेतु प्रयास किये हैं। कम समय में अधिक से अधिक शिक्षा के क्षेत्र में कैसे लाभ प्राप्त किया जा सकता है इसके लिए मानव निरन्तर प्रयास और आविश्कार करता रहा है। उन वैज्ञानिक आविष्कारों ने शिक्षा के क्षेत्र को अधिक प्रभावित किया है।

परिचय :

शिक्षा में सूचना तकनीकी का मतलब है शिक्षा के माध्यम का यान्त्रिकरण करना। भारतीय शिक्षा में पहले रेडियो, ग्रामोफोन, समभाशण, ब्लैक बोर्ड, प्रयोगशाला, पुस्तके आदि सूचना तकनीकी का उपयोग किया जाता था। उसी प्रकार किसी भी सूचना को एक जगह से दूसरे जगह भेजने के लिए पोस्टकार्ड, अर्न्तदेशी, ग्रीटिंगकार्ड, टेलीग्राम आदि के माध्यम का उपयोग किया जाता था। कोई भी संदेश संदेशवाहक के द्वारा भिजवाया जाता था।

उदाहरणार्थ – नये वर्ष, जन्मदिन, त्यौहारों आदि की मंगलमय कामना के लिए लोग पहले अच्छे ग्रीटिंग कार्ड का चयन कर डाकखाना के माध्यम से भेजते थे लेकिन आज लोग इन्टरनेट एवं मोबाइल के माध्यम से संदेश को भेज रहे है। शिक्षा के क्षेत्र में भी इस वैश्वीकरण के काल में कम्प्यूटर, स्लाइड, प्रोजेक्टर, फिल्म, चित्र, ग्राफचार्ट, इन्टरनेट, इन्टरेक्टिव विडियो, टेलीकॉफ्रेन्सिंग, टैलि टैक्स्ट, विडियो टैक्स्ट और मोबाइल लर्निंग आदि शैक्षिक सूचना तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है।

सूचना तकनीकी के माध्यम से भारतीय शिक्षा के क्षेत्र में सूचनाओ को विभिन्न स्वरूप में संसाधन, सम्प्रेषण, अधिग्रहण एवं पुनः प्राप्ति आदि कार्यो का द्रुतगाति से त्रुटिरहित तथा कुशलता पूर्ण कार्यान्वित किया जाता है।

सूचना तकनीकी का प्रभाव :–

शैक्षिक सूचना तकनीकी के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में सहजता, सरलता और सुगमता तो आया है लेकिन यहॉ ध्यान देने की बात होगी कि सूचना तकनीकी केवल साधन का रूप ले, ना कि साध्य हो जाय। शैक्षिक सूचना तकनीक भारतीय शिक्षा क्षेत्र में बहुत ही उपयोगी है। इन शैक्षिक सूचना तकनीकी का आविष्कार जिस उद्देश्य के लिए किया गया है, उसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए किया जाय तो इसका लाभ ज्यादा होगा।

वर्तमान समय में कुछ युवा पीढी या विशेष समूह इस सूचना तकनीकी का उपयोग गलत दिशा में करने लगे है। जिससे इसका प्रभाव गलत दिशा में पडने लगा है। शैक्षिक सूचना तकनीकी का तत्कालिक लाभ तो मात्र एक छोटा सा वर्ग उठा रहा है इसका विस्तार सभी वर्ग और सभी स्तर पर होना जरूरी है तभी यह कारगर सिद्ध होगा क्योंकि तभी यह सभी बच्चों का सामाजिक व मानसिक विकास करने वाली तकनीकी का रूप लेगी और उद्देशपूर्ण होगा।

यदि हम सूचना तकनीकी के एक माध्यम इन्टरनेट के ऑकडों पर नजर डाले तो आज विश्व का मात्र 15 प्रतिशत आबादी इन्टरनेट का उपयोग कर रही है और इन उपयोगकर्ताओं में भारत 7 वें स्थान पर है, जहॉ इसका उपयोग करने वालो की संख्या पूरी आबादी का मात्र 2.5 प्रतिशत ही है अर्थात 97. 5 प्रतिशत आबादी का भाग अभी भी इन्टरनेट से कोई सरोकार नहीं रखता है। अगर विकास की दर बहुत त्वरित भी रही तो भी आने वाले 20 सालों में यह प्रतिशत बहुत बढा तो चार गुना हो जायेगा अर्थात तब भी 90 प्रतिशत आबादी इसका उपयोग नहीं कर रही होगी। ऐसे में एक बहुत बडा वर्ग निश्चित रूप से ऐसा बचा रह जाता है जिसे साहित्य एवं पठन–पाठन में तो रूचि है लेकिन इन्टरनेट से कोई सम्बन्ध नहीं है।

शैक्षिक सूचना तकनीकी का ज्यादातर उपयोग और लाभदायक दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में है। क्योंकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के बाद दूरस्थ शिक्षा अपने विकास की ओर निरन्तर उन्मुख हो रही है और इसके माध्यम से देश के बहुत ज्यादा संख्या में बच्चे जुडे है जो संस्थाओं से शिक्षा नहीं ले पाये है या नहीं ले पा रहे है। दूरस्थ शिक्षा का जो उद्देश्य है उसको पूरा करने में शैक्षिक सूचना तकनीकी का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है।

यह शैक्षिक सूचना तकनीकी की ही देन है कि एक जिज्ञासु व्यक्ति या कार्यरत व्यक्ति घर बैठे अपनी योग्यता को आगे बढाने के लिए इसके माध्यम से किसी भी क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त कर सकता है। व्यवसायिक शिक्षा के क्षेत्र में सूचना तकनीकी की जो अनिवार्यता आज के समय में पायी जा रही है उस संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि सूचना तकनीकी के अभाव में व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर पाना पाठ्यक्रम की कुशलता के लिए न्याय संगत नहीं होगा। चाहे वह समाज कार्य, एम.बी.ए., बी.सी.ए., बी.टेक., एम.टेक., नर्सिंग, डाक्टरी, बी.बी. ए., बी.सी.ए., बी.एड. आदि ही क्यों न हो बिना शैक्षिक सूचना तकनीकी के इसका शिक्षण–प्रशिक्षण असम्भव सा दिखता है। शैक्षिक सूचना तकनीकी के अन्तर्गत वाक्य के पढने एवं सुनने

Scanned by CamScanner

की अपेक्षा उसे उस वस्तु तथा प्रक्रिया को प्रोजेक्टर, टी.वी., स्लाइड, टैप, कम्प्यूटर, इन्टरनेट से दिखाया, सुनाया और प्रदर्शित किया जाता है। जिससे बच्चों को वह सहज, प्रभावी और स्थायी होता है और बच्चे रूचिपूर्वक सिखायी जा रही वस्तु को ग्रहण करता है और एक अध्यापक का शैक्षणिक उद्देश्य सफल हो जाता है। भारत पहला देश है जिसने शिक्षा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक स्वतन्त्र उपग्रह स्थापित किया जिसे 'एडूसेट' कहते है। इस कृत्रिम उपग्रह के कारण आज विभिन्न शिक्षा संस्थाओं द्वारा संचालित चार टेलिविजन चैनल काम कर रहे है। जिन्हें ज्ञान दर्शन के नाम से जाना जाता है। 'वर्तमान अतीत के अनुभवों द्वारा सजाया संवारा जाता है। अतः आने वाला कल कैसा होगा, वर्तमान उसका दर्पण है और मानव उसका अक्स'।

उपसंहार :–

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट हो जाता है कि आज के समय में सूचना तकनीकी का महत्व बहुत है क्योंकि प्रारम्भिक कक्षाओं से लेकर उच्च कक्षाओं, दूरस्थ शिक्षा, एवं व्यवसायिक कक्षाओं के शिक्षा में सूचना तकनीकों का प्रयोग अनिवार्य बनाया जा रहा है और इसका प्रभाव भी सार्थक आ रहे है।

संदर्भ ग्रंथ

1- Koprowska, Julient (2005), Communication and interpretation skills in social, publisher M. learning matters.
2- Dunlal Adly, Elliatt Barbara, show Agela (2009), effective communication and engagement with children and young people, their families and carers, publisher M. Learning matters.
3- Nerula, uma (2006), "Hand book of Communication" Models perspectives, stretegics, Atlantic Publishers & Distributors.
4- B.A. Ronold, Rooman Gearge (2006), "Understanding Human Communication" (ninth edition), Oxford University Press.
5- Sidana, Ashok kumar and Sidana Kiran, Article "use of education technology in distance education" Shri Agrasen post graduate, CTE Sansthan, Keshav Vidhyapith, Jamdauli, Jaipur.
6- मानव विकास रिपोर्ट, 2007

Scanned by CamScanner